

बाल गंगाधर तलिक की 168वीं जयंती

स्रोत: पी.आई.बी

23 जुलाई को भारत ने **बाल गंगाधर तलिक** की जयंती मनाई तथा एक **स्वतंत्रता सेनानी और शक्तिवाद** के रूप में उनकी वरिष्ठता का सम्मान किया।

- **व्यक्तिगत जीवन और विचारधारा:**
 - बाल गंगाधर तलिक का जन्म जुलाई 1856 में महाराष्ट्र के रत्नागरी में हुआ था और उन्हें भारतीय अशांतिके जनक की उपाधि दी गई थी।
 - लोकमान्य तलिक पूरण स्वतंत्रता या **स्वराज्य (स्व-शासन)** के सबसे प्रारंभिक एवं सबसे मुखर प्रस्तावकों में से एक हैं।
 - लाला लाजपत राय तथा बपिनि चंद्र पाल के साथ ये लाल-बाल-पाल की तकिड़ी (गरम दल/उग्रपंथी दल) का हिस्सा थे।
- **सूरत विभाजन, 1907:**
 - लेकनि रास बहिरी घोष के नरिवाचति होने पर इसका विभाजन हो गया।
 - वर्ष 1907 में सूरत में हुए विभाजन के बाद भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस (Indian National Congress- INC) उग्रवादी और उदारवादी दल में विभाजित हो गई। मुख्यतः बॉम्बे प्रेसीडेंसी के उग्रवादियों ने अध्यक्ष के पद के लिये तलिक या लाजपत राय का समर्थन किया।
- **शक्ति में योगदान:**
 - तलिक **डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी** के संस्थापक (वर्ष 1884) थे, इसके संस्थापक सदस्यों में गोपाल गणेश अगरकर और अन्य भी शामिल थे।
 - इस सोसाइटी के माध्यम से तलिक ने वर्ष 1885 में पुणे में **फर्ग्यूसन कॉलेज** की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

//

बाल गंगाधर तिलक

(23 जुलाई 1856 - 1 अगस्त 1920)

पूर्ण स्वतंत्रता या स्वराज्य के सबसे शुरुआती व सबसे मुखर समर्थकों में से एक

संक्षिप्त विवरण

- ⊙ इन्हें लोकमान्य तिलक के नाम से भी जाना जाता है
- ⊙ महात्मा गांधी ने उन्हें "आधुनिक भारत का निर्माता" कहा था
- ⊙ शिक्षाविद: एक विपुल लेखक और पत्रकार
- ⊙ संबंधित संस्थान: डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी (1884) और फर्ग्यूसन कॉलेज (1885)



सामाजिक और राजनीतिक योगदान

- ⊙ विचारधारा: एक धर्मनिष्ठ हिंदू; लोगों को जागृत करने के लिये हिंदू धर्मग्रंथों का उपयोग किया
- ⊙ कॉन्ग्रेस में भूमिका: 1890 में शामिल हुए; सूरत विभाजन (1907) में महत्वपूर्ण भूमिका - उग्रवादी सूरत अधिवेशन की अध्यक्षता करना चाहते थे
- ⊙ नारा: "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूंगा!"
- ⊙ लाल-बाल-पाल तिकड़ी: लाला लाजपत राय और विपिन चंद्र पाल के साथ इन्होंने उग्रवादी समूह का नेतृत्व किया

स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान

- ⊙ स्वदेशी आन्दोलन का प्रचार किया
- ⊙ एनी बेसेंट के साथ भारतीय होम रूल आंदोलन का नेतृत्व किया
- ⊙ अप्रैल 1916 में अखिल भारतीय होम रूल लीग की स्थापना की

लखनऊ समझौता (1916) - राष्ट्रवादी संघर्ष में हिंदू-मुस्लिम एकता के लिये तिलक की नेतृत्व वाली कॉन्ग्रेस और जिन्ना की अध्यक्षता वाली अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के बीच हस्ताक्षरित

साहित्यिक कार्य

- ⊙ समाचार पत्र: "केसरी" (मराठी) और "द मराठा" (अंग्रेज़ी)
- ⊙ पुस्तकें: गीता रहस्य (उनकी प्रसिद्ध रचना) और द आर्कटिक होम ऑफ द वेदाङ्ग



Drishti IAS

और पढ़ें: [बाल गंगाधर तिलक](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/168th-birth-anniversary-of-bal-gangadhar-tilak>